

भारतीय वीर न्यायिक

दस
रुपये

TEN
RUPEES

₹.10

Rs.10

INDIA NON JUDICIAL

मध्य प्रदेश MADHYA PRADESH

46AA 503526



प्रारूप 26

(नियम 4 क देखिए)



मध्यप्रदेश

निर्वाचन क्षेत्र से

(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

....राज्य सभा.... (सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथपत्र

भाग - क

मैं, दिग्विजय सिंह, **पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री बलभद्र सिंह, आयु 66 वर्ष जो मकान न0 25, किला आबादी वार्ड 6 तहसील राधौगढ़, जिला - गुना (म.प्र.) पिन न0 473226 (डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूँ और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/करती हूँ शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ/करती हूँ :-

(1) इण्डियन नेशनल काँग्रेस (**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी/ **एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूँ।

** (जो लागू हो उसे काट दें)

(2) मेरा नाम 031 राधौगढ़ (सामान्य) मध्य प्रदेश (निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग संख्या ...69... के क्रम सं ...201... पर प्रविष्ट है।

R. C. Abanwar

(3) मेरा संपर्क टेलिफोन नं. 07544-262221 है/हैं और मेरा ई-मेल आईडी (यदि कोई हो तो) digvijayasingh28@yahoo.com है। मेरा फेसबुक एकाउन्ट एवं टिवटर एकाउन्ट @digvijaya 28 है।

(4) स्थाई लेखा संख्यांक (पैन) के ब्यौरे और आय-कर विवरण फाइल करने की प्रास्थिति :

क्रम सं.	नाम	पैन	वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रूपए में)
1.	स्वयं- दिग्विजय सिंह	AKDPS3364G	वित्तीय वर्ष 2012-13 आयकर वर्ष 2013-14 के लिए अंतिम आयकर रिटर्न दाखिल किया गया है :	दर्शाई गई सकल आय रु 725922/- दर्शाई गई कर योग आय रु 681872/-
2.	पत्नि-मा पत्नी स्व. आशा देवी	ACDPS6568C	वित्तीय वर्ष 2012-13 आयकर वर्ष 2013-14 के लिए अंतिम आयकर रिटर्न दाखिल किया गया है :	दर्शाई गई सकल आय रु 344076/- दर्शाई गई कर योग आय रु 334076/-
3.	आश्रित-1	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं
4.	आश्रित-2	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं
5.	आश्रित-3.....	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं

(5) मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त नहीं हूँ जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।

यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी :-

(i) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।

(क)	मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे	प्र.क्रं.1 प्रथम सूचना रिपोर्ट क्रं. 238/11 पुलिस थाना जीवाजी गंज उज्जैन (म.प्र.) प्र.क्रं.2 लागू नहीं क्योंकि निजी परिवाद पर संस्थित किया गया है।
(ख)	संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धारारें) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए आरोपित किया गया है	प्र.क्रं.1 धारा 326/34, 323/34, 324/34, भादवि प्र.क्रं.2 धारा 500 भादवि मानहानि का प्रकरण है।
(ग)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	प्र.क्रं.1 न्यायालय दशम अपर सत्र न्यायाधीश उज्जैन प्रकरण क्रं. 1/12 सत्रवाद संज्ञान लेने के आदेश की तारीख 09/11/2012



[Handwritten signature]

		प्र.क्रं.2 न्यायालय जेएमएफसी भोपाल में प्र.क्रं.950/04 ई.फौ. दिनांक 24.11.2003 को संज्ञान लिया गया
(घ)	न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई	प्र.क्रं.1 न्यायालय दशम अपर सत्र न्यायाधीश उज्जैन द्वारा आरोपों की विरचना की गई है। प्र.क्रं.2 आरोप विरचित करने वाले न्यायालय का नाम न्यायालय जेएमएफसी भोपाल।
(ङ)	तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गए थे	प्र.क्रं.1 दिनांक 28/10/13 को आरोप विरचित किये गये। प्र.क्रं.2 दिनांक * को आरोप विरचित नहीं किये गये।
(च)	क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी समक्ष अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/हैं	प्र.क्रं.1 : नहीं प्र.क्रं.2 : नहीं

(ii) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है/हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है [पूर्वोक्त मद (i) में वर्णित मामलों से भिन्न] :-

(क)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	प्र.क्रं.1 न्यायालय जेएमएफसी धर्मपुरी जिला धार प्र.क्रं. 404/06 दिनांक 26.06. 2006 को संज्ञान लिया गया। प्र.क्रं.2 न्यायालय श्रीमती गोमती मनोचा मेट्रोपोलिटियन मजिस्ट्रेट, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली प्रकरण क 64/1/13 दिनांक 17/02/2012 को संज्ञान हुआ।
(ख)	उन मामलों के ब्यौरे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए संज्ञान लिया गया है	प्र.क्रं.1 धारा 147, 149, 341 भादवि अवैध समूह के साथ रास्ता रोकने का आक्षेप है। प्र.क्रं.2 धारा 500 भादवि मानहानि करने का आक्षेप है।



J. V. Singh

